ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 30 संख्या 3 मुंबई अक्तूबर से दिसंबर -2013

I. अनुसंधान क्षेत्र से

मत्स्य शिकारी द्वारा 22 ओलिव रिडले समुद्री कछुओं की मुक्ति

दिसंबर 2013 माह के दौरान, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखपट्टणम से जुडे सर्वेक्षण जलयान एम एफ वी मत्स्य शिकारी द्वारा 22 ओलिव रिडले समुद्री कछुए *लेपिडोचेलिस ओलीवेसिया* (एल्कोल्टज़, 1829) को छोड दिया गया। 34 मी श्रिम्प ट्रॉल एवं 34 मी. तलमज्जी ट्रॉल में गलती से पकडे गए समुद्री कछुए (17 मादा एवं 5 नर) को सुरक्षित रूप से ज़िंदा हालत में समुद्र में छोड दिया गया । वैज्ञानिक प्रतिभागी ने आगे के अध्ययन हेतु उनके आकृतिमान (मोरफोमेट्रिक) माप और वजन दर्ज किया । छोडे गए कछुए 41 से. मी- 61 से. मी. कवच लंबाई की सीमा के भीतर थे । *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* 17° उ एवं 18° उ के क्षेत्र में अपने तलमज्जी संसाधन सर्वेक्षण कर रही थी । ओलिव रिडले समुद्री कछुए उत्तरी हिन्द महासागर में उच्चतम घनत्व में व्यापक रूप से विस्तारित है। भारत के पूर्वी तट पर ओलिव रिडले का प्रमुख घोंसला बनाने का स्थान ओडिशा में है । घोंसला बनाने के मौसम में वे अक्सर आन्ध्र प्रदेश के समुद्र तट में दिखाई देते हैं । समुद्री कछुआ संरक्षण के अनुसार, (एक भारत सरकार-यू एन डी पी परियोजना, 2003) जनगणना एवं समुद्री कछुओं के कई आबादी की निगरानी के संरक्षण की स्पष्ट आवश्यकता है । समुद्री कछुओं को भारतीय वन्य जीव (सुरक्षा) अधिनियम 1972 की अनुसूची में शामिल किया गया है और प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आई यू सी एन) के अनुसार असुरक्षित के रूप में वर्गीकृत है । वे गंभीर संकटापन्न या संकट के रूप में विश्व संरक्षण संघ की लाल सूची में सूचीबध्द है । इन प्राकृतिक संसाधनों की कमी पारिस्थितिक असंतुलन का कारण बनता है जो आगे पृथ्वी पर जीवन के आस्तित्व को प्रभावित करता है ।

(श्री ए. सिवा, व. मा. वै. भा. मा. स. का विशाखपट्टणम द्वारा सूचित)

बहिर्गमन और प्रशिक्षण

ए) मत्स्यन प्रतिबंध अवधि की कालावधि पर पणधारियों के परामर्श

पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग, (डी ए एच डी एफ), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने *मत्स्यन प्रतिबंध अवधि की कालावधि की समीक्षा करने और संरक्षण और प्रबंधन पहलुओं को मज़बूत करने* हेतु आगे के उपाय सुझाने के लिए एक तकनीकी समिति (टी सी) का गठन किया था। मत्स्यन प्रतिबंध एवं संरक्षण उपायों के विविध पहलुओं पर मत्स्यन हित समूहों के विचारों पर प्रकाश डालने हेतु सभी समुद्री राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों में पणधारियों के परामर्श संचालित करने का निर्णय लिया गया था ।

तद्नुसार, महाराष्ट्र राज्य में मात्स्यिकी पणधारियों के विचारों का पता लगाने के लिए । अक्टूबर 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) में एक परामर्श आयोजित किया गया था । यह कार्यक्रम सी एम एफ आर आई एवं भा. मा. स. द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था । विषय के संगत पहलुओं पर राय प्रकट करने हेतु एक संरचित प्रश्नावली स्थानीय भाषा में तैयार की गई और सभी पणधारियों को परिचालित किया गया । सभी पॉच समुद्री जिलों से सत्तर पणधारियों ने परामर्श में भाग लिया । पणधारियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और मत्स्यन प्रतिबंध अवधि पर अपने विचार प्रकट किए । सारांश राष्ट्रीय स्तर समेकन हेतु तकनीकी समिति को सूचित किया गया । तकनीकी समिति विविध समुद्री राज्यों से परामर्श के आऊट पुट के आधार पर सुझावों को अंतिम रूप देंगे ।

बी) ग्लोबल कोंकण उत्सव 2013-14 में भागीदारी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय ने 14-17 दिसंबर 2013 के दौरान सिडको ग्राउंड, नवी मुम्बई में *ग्लोबल कोंकण उत्सव* 2013-14 में भाग लिया । कोकण भूमि प्रतिष्ठान, मुम्बई द्वारा मात्स्यिकी के संबंध में लोगों में जानकारी पैदा करने हेतु एक प्रदर्शनी आयोजित की गई । प्रदर्शनी में फिशिंग गियरों एवं नावों के मॉडल, सर्वेक्षण गतिविधियों, सर्वेक्षण बेडों, मत्स्यन प्रणलियों एवं मात्स्यिकी संसाधन आदि पर चार्ट

प्रदर्शित किए गए । विविध कॉलेज एवं स्कूल से छात्रों सहित कुल हज़ार लोगों को प्रदर्शनी से लाभ हुआ ।

सी) डेटाबेस एवं भौगोलिक सूचना के सुदृढीकरण

मात्स्यिकी सेक्टर हेतु डेटाबेस एवं भौगोलिक सूचना के सुदृढीकरण पर एक केन्द्रीय प्रायोजित कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, समुद्री मात्स्यिकी में डेटा संग्रहण एवं मछली वर्गीकरण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला गणनाकारों एवं मात्स्यिकी अधिकारियों, मात्स्यिकी निदेशालय, केरल के लिए 29 एवं 30 अक्तूबर 2013 को सरकारी प्रबंधन संस्थान, तिरुवनन्तपुरम में आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्घाटन श्रीमती मिनी एन्टनी, आई ए एस, मात्स्यिकी निदेशक, केरल द्वारा किया गया । नौ नए भर्ती डेटा गणनाकार सहित कुल 30 मात्स्यिकी अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निपटाए गए प्रमुख पहलुएं *समुद्री मछलियों एवं अन्य जीवों के क्षेत्रीय पहचान और नमूना संग्रहण* पर सी एम एफ आर आई प्रणाली विज्ञान थे ।

डी) जामनगर, गुजरात में क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस द्वारा गुजरात के *समुद्री मात्स्यिकी एवं विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों* पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला एवं एक प्रदर्शनी 26 नवंबर 2013 को जामनगर, गुजरात में आयोजित की गई । गुजरात के मात्स्यिकी संसाधनों पर महत्वपूर्ण सूचना बाँटने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई । समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों का संरक्षण करने की आवश्यकता विचार विमर्श का केन्द्र बिन्दु था । गुजरात के 125

से अधिक मछुआरे एवं राज्य मात्स्यिकी अधिकारियाँ इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए ।

इ) पुदुच्चेरी में क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस ने *पुदुच्चेरी एवं तमिलनाडु तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों* पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 29 नवंबर 2013 को आयोजित की । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई के वैज्ञानिको ने *पुदुच्चेरी एवं तमिलनाडु के मात्स्यिकी संसाधनों* पर स्थानीय भाषा में शोध पत्र प्रस्तुत किया । उत्तरदायी मत्स्यन व्यवहार पर जानकारी पैदा करना कार्यक्रम की मुख्य कार्यसूची थी । कार्यक्रम का एक अन्य आकर्षण विभाग द्वारा व्यवस्था की गई प्रदर्शनी थी ।

III. श्री प्रेमचंद ने महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कार्यभार संभाला

श्री प्रेमचंद, उप महानिदेशक (मा.) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने डॉ. के विजयकुमारन से 10 अत्तूबर 2013 को महानिदेशक का कार्यभार संभाला है । श्री प्रेमचंद 13 सितंबर 1979 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण में शामिल हुए और संस्थान के मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सहायक थे उन्होंने उप महानिदेशक (मा.) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई के कार्यभार संभालने से पूर्व पोरबन्दर एवं विशाखपट्टणम बेस के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य किए। महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, भा. मा. स., मुम्बई (मुख्यालय) के कर्मचारियों को संबोधन किया और आश्वासन दिया कि संस्थान के मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु पूरे दिल से काम करेंगें । संस्थान के

अनुसंधान कार्यों में अधिक ध्यान देकर भा. मा. स. को देश का एक प्रमुख मात्स्यिकी अनुसंधान संगठन में बदलने के लिए प्रयास किया जाएगा । उन्होंने कहा कि, विभागीय गतिविधियों और संस्थान के दैनंदिन गतिविधियों पर ज़ोर दिया जाएगा ।

IV. प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों (रोसा) की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मार्मुगोवा बेस, मार्मुगोवा में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक 15 नवंबर 2013 को हुई । श्री प्रेमचंद, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने बैठक की अध्यक्षता की । अपने अध्यक्षीय संबोधन में, उन्होंने सभी अधिकारियों को जो विभाग के अधिदेश प्राप्त करने की दिशा में सहायता बढाया था, उसकी ईमानदारी से आभार व्यक्त किया ।

बेस कार्यालयों के प्रभारी अधिकारी ने जलयान के निष्पादन, संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन एवं बेस द्वारा किए गए अन्य गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की । चर्चा में भाग लेते हुए, अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि सभी बेस कार्यालयों को बेस स्तर पर उचित योजना द्वारा एवं प्रस्तावित कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कमी को पार करते हुए कार्यक्रम का कार्यान्वयन करना है । प्रत्येक बेस कार्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए वैज्ञानिक गतिविधियों की समीक्षा की गई और बैंठक में अनुसंधान शोध पत्र के रूप में परिणामों के प्रकाशन हेतु वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया। सदस्यों ने अंतर-संस्थानीय सहयोगी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना के निष्पादन सुधारने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी सूचित किया कि भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने *सस्टेयिनबिलिटि की ओर बढने* पर चार प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चेन्नई, कोच्चि, मेंगलूर एंव गोवा में आयोजित किया । प्रतिभागियों की भारी प्रतिक्रिया पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण शेष समुद्री राज्यों में समान कार्यक्रम संचालित करने की योजना बना रही है । संस्थान के विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की गई एवं पणधारियों को संसाधनों पर वैज्ञानिक सूचना प्रसारित करने हेतु ऐसे अधिक गतिविधियां आयोजित करने का निर्णय लिया । बैठक में कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित विविध प्रशासनिक पहलुओं एवं लेखा मामलों पर भी चर्चा हुई ।

V. राजभाषा कार्यान्वयन

आशीर्वाद स्मृति चिहन

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) को सरकारी कार्य में हिन्दी के कार्यान्वयन में योगदान के लिए *आशीर्वाद स्मृति चिह्न* से सम्मानित किया गया । उन्होंने दूरदर्शन केन्द्र, वर्ली, मुम्बई में 27 सितंबर 2013 को हुए 22 वॉ *आशीर्वाद राजभाषा सम्मेलन* में पुरस्कार प्राप्त किया ।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

राजभाषा विभाग, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण उप संस्थान, सी बी डी, बेलापूर, नवी मुम्बई द्वारा कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने हेतु पॉच दिवसीय मूल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । श्री एन वी रमण मूर्ति, तंत्र विश्लेषक, भा. मा. स., मुम्बई मुख्यालय ने 9 दिसंबर 2013 से 13 दिसंबर के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक एवं कु. राजश्री सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा.स., मुम्बई (मुख्यालय) ने 30 दिसंबर 2013 से 3 जनवरी 2014 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

हिन्दी कार्यशाला

- हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई के सहयोग से एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 3 दिसंबर 2013 को आयोजित की गई । डॉ सुनीता यादव, सहायक निदेशक ने *टिप्पणी एवं मसौदा लेखन* में व्याख्यान दिया । हिन्दी में कार्य करते समय हो रही कठिनाइयों को पार करने हेतु व्यावहरिक प्रशिक्षण कार्यशाला का केन्द्र बिन्दु था ।
- *राजभाषा कार्यान्वयन* पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 30 दिसंबर 2013 को मार्मुगोवा बेस में संचालित की गई । श्रीमती मनीषा काम्बले, राजभाषा अधीक्षक, एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इन्डिया, वास्को, गोवा ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिए ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस में 30 दिसंबर 2013 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमती नीति सुन्दरी, हिन्दी अनुवादक, सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन उस अवसर पर विशेषज्ञ थी । वे *दैनंदिन सरकारी कार्य में टिप्पणी एवं मसौदा लेखन* विषय पर व्याख्यान दिए ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस के सम्मेलन कक्ष में 20 दिसंबर 2013 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई श्री टी महादेव राव, उप प्रबंधक, राजभाषा, एच पी सी एल विशाखपट्टणम ने कार्यशाला के दौरान *सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग* पर व्याख्यान दिया ।

VI. प्रशिक्षण / संगोष्ठी / कार्यशाला परिसंवाद / बैठक / सम्मेलनों मे भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

- डॉ. ए एनरोस, क्षेत्रीय निदेशक ने 23-28 अक्टूबर 2013 के दौरान सन सेबास्टियन, स्पेन में आयोजित उष्णकटिबंधीय टूना पर पन्दहवॉ आई ओ टी सी कार्यदल में भाग लिया और 1970-2012 में *भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में महासागरीय टूना संसाधनों के अन्वेषण एवं दोहन में परिवर्तनों की तुलना* पर शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया ।
- डॉ. जे. जयचन्द्र दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने *हिन्द महासागर रिम असोसिएशन फॉर रीजियनल कॉ-ऑपरेशन* (आई ओ आर-ए आर सी) *फिशरीज़ सप्पोर्ट यूनिट* (एफ एस यू), द्वारा 23-31 अत्तूबर 2013 के दौरान मस्कट, सुलतनत ऑफ ओमान में *ओटोलिथ आधारित मछली का बूढा होना एवं स्टॉक निर्धारण* पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री प्रेमचंद, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा. मा. स.), मुम्बई ने भुसान, रिप्पब्लिक ऑफ कोरिया में 2-6 दिसंबर 2013 के दौरान आयोजित हिन्द महासागर टूना आयोग (आई ओ टी सी) के सोल्हवें सत्र में भाग लिया एवं आई ओ टी सी की वैज्ञानिक समिति को भारत की राष्ट्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय

- श्री एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने लोग, *वन एवं वन्य जीव संरक्षण पर पारस्परिक क्रिया कार्यशाला* में भाग लिया एवं वन विभाग, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, पोर्ट ब्लेयर द्वारा अक्तूबर 2013 को मिनि जू ओडिटोरियम में आयोजित *59 वॉ वन्य जीव सप्ताह* के अवसर पर *अंडमान एवं निकोबार द्वीपों पर समुद्री मछली संपत्ति* पर शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया ।
- सुश्री राजश्री बी सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) एवं श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखपट्टणम ने बॉबलम-एम बी ए आई द्वारा होटल ट्रेवनकूर कोर्ट, कोच्चि, केरल में 14-17 अक्टूबर 2013 और 18-21 नवंबर 2013 के दौरान प्रभावी रूप से विज्ञान संप्रेषण-वैज्ञानिक लेखन पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्रीमती राजश्री के मेन्डन, कार्यालय अधीक्षक, श्रीमती पी मल्लिका, कार्यालय अधीक्षक, श्रीमती के. के. अम्बिका, कार्यालय अधीक्षक एवं श्रीमती अर्चना एन प्रधान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने 3 दिसंबर 2013 से 5 दिसंबर 2013 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई में *रोस्टर रखरखाव एवं आरक्षण और रियायत* पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- डॉ. एस. के. नाईक, क्षेत्रीय निदेशक ने जीला कलेक्टर का सम्मेलन हॉल विशाखपट्टणम में 10 दिसंबर 2013 को *आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी तट में ओलिव रिडले कछुए सुरक्षा उपायों के संरक्षण पर जागरूकता शिबिर* में भाग लिया ।
- एडवर्ड केरकट्टा, कार्यालय अधीक्षक, श्री जी पी पावले, कार्यालय अधीक्षक, श्री एन एस मदलानी, प्रवर श्रेणी लिपिक एवं श्री पी वी लतीश, प्रवर श्रेणी लिपिक ने 16 दिसंबर 2013 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई में *सूचना का अधिकार अधिनियम 2005* पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- श्री जे. जी. ओहोल, सहायक लेखा अधिकारी, श्री संतोष बाबु पी पी, प्रवर श्रेणी लिपिक एवं श्री अमल कृष्ण हलदार, प्रवर श्रेणि लिपिक ने 19 दिसंबर 2013 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र मुम्बई में *वेतन पर आयकर* पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

VII. प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियॉ

- श्री प्रेम कुमार, को व. नाविक के पद में 18.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री अकबर को व. नाविक के पद में 18.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री अमोल कुमार झा, को व. नाविक के पद में 19.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री अरूण देव, को क. नाविक के पद में 20.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री एक्सथिनेश, को व. नाविक के पद में 25.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री एक्स जॉन जोकब्लीकस, को व. नाविक के पद में 25.11.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया गया ।
- श्री तपश दास, को नेटमेन्डर के पद में 12.12.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के पोर्ट ब्लेयर बेस मे नियुक्त किया गया ।
- श्री एम. सिवा कुमार, को व. नाविक के पद में 12.12.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के पोर्ट ब्लेयर बेस मे नियुक्त किया गया ।
- श्री अंकित कुमार, को अवर श्रेणी लिपिक के पद में 16.12.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के मुम्बई बेस में नियुक्त किया ।
- श्री विक्रमादित्य सिंह, को व. नाविक के पद में 31.12.2013 के प्रभाव से भा. मा. स. के चेन्नई बेस में नियुक्त किया ।

पदोन्नतियॉ/स्थानांतरण

- श्री मधु के. एल, स्किप्पर को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चि बेस में स्थानांतरित किया गया ।

सेवा निवृत्तियॉ

- श्री आर के झेना, दफ्तरी अधिवर्षिता पर 31.10. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखपट्टणम बेस से सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री इ. ए. अनिलकुमार, मुख्य अभियंता अधिवर्षिता पर 31.10. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चि बेस से सेवानिवृत्त हुए।
- श्री सी चंद्रन, फिटर अधिवर्षिता पर 31.10. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चि बेस से सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री एम. जी. तुलसीदास, स्लिपवे वर्कर अधिवर्षिता पर 31.10. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चि बेस से सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री के. पी. सरसन, सेवा सहायक, अधिवर्षिता पर 31.10. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चि बेस (एम इ डी) से सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री टी ए षन्मुगन, स्किप्पर अधिवर्षिता पर 30.11. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस से सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री के आर के पिल्लाई, व. नाविक अधिवर्षिता पर 30.11. 2013 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस से सेवानिवृत्त हुए ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: श्री बी एल अंजना
प्रकाशक: श्री प्रेमचंद महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-४०० ००१,
तार: मीना वेबसाईट:http:/fsi.gov.in फैक्स: (०२२) २२७०२२७०.दूरभाषा: २२६१७१४४/४५ मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा ०२२-२२१८२९३९/३५४४